(c) what are the reactions of the Government to the above proposals?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI KUMUDBEN M. JOSHI): (a) and (b) There have been suggestions from various quarters for setting up a TV Centre and film studio at Bhopal or other location in M.P. and for production of documentary films in that State.

(c) A proposal to set up a TV centre at Bhopal was included in the Draft Sixth Plan proposals (1980—85). The implementation of the Scheme will, however, depend on the approval of the Plan, availability of resources and relative priorities.

The setting up of film studios concerns the State Government and the private sector. The Films Division has produced a number of documentary films on Madhya Pradesh, and two more are on its production programme.

कोटा, उदयपुर तथा चित्तौड़गढ़ में दूरदर्शन केन्द्र

2152. **प्रो० निर्मला कुमारी शक्तावत :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में जयपुर एकमात्र शहर है जहां दूरदर्शन केन्द्र है;

(ख) क्या कोटा, उदयपुर तथा चित्तौड़गढ़ में निकट भविष्य में दूरदर्शन केन्द्र स्थापित करने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (कुमारी कुमुदबेन एम० जोशी) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) कोटा में दूरदर्शन रिले केन्द्र की स्थापना के प्रस्ताव को माइक्रोवेव लिंकों के माध्यम से दूरदर्शन के विस्तार संबंधी छठी "योजना" (1980–85) के प्रस्तावों के प्रारूप में शामिल किया गया है । तथापि, इसका कार्यान्वयन "योजना" की स्वीकृति, संसाधनों की उपलब्धता और सापेक्ष प्राथमिकताओं पर निर्भर करेगा ।

निकट भविष्य में उदयपुर और चित्तौड़गढ़ में दूरदर्शन केन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

बिजली की कटौती के कारण प्रत्येक राज्य में श्रम-घंटों की हानी

2153. **प्रो निर्मला कुमारी शक्तावत :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिजली की कटौती के परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक राज्य में विभिन्न उद्योगों में औसतन कितने श्रम-घंटों की हानि हुई है; और

(ख) देश में बिजली की कटौती से बचने के लिए कौन से उपाय किए जा रहे हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन): (क) प्रणाली में विद्युत की कमी है जो अलग-अलग राज्य में तथा अलग-अलग समय पर भिन्न-भिन्न होती है । किसी विशेष समय पर कमी की मात्रा वास्तविक मांग तथा निवल उपलब्धता के बीच अन्तर के ऊपर निर्भर करती है । इस अन्तर को पूरा करने के लिए विद्युत कटौतियां तथा प्रतिबन्ध लागू किए जाते हैं । उत्पादन में हानि होने में सहायक विभिन्न पहलुओं में से विद्युत की कमी एक है । केवल तथा अलग से लोड शैडिंग के कारण श्रम-घंटों की हानि की सही-सही मात्रा बताना संभव नहीं है ।